CAREER & EDUCATION
अमर उजाला उड़ान

वर्ष 09 | अंक 43 | बुधवार | 27 अक्तूबर 2021 | ₹1

टिप्स फॉर सक्सेज

जरूर मिलेंगे मनचाहे मार्क्स

PAGE 03

कॅरिअर मंत्रा

आज फाइनेंस और टैक्नोलॉजी के मिश्रित रूप फिनटेक से कई तरह के अवसर मिल रहे हैं...

PAGE 10

एजुकेशन

कृषि क्षेत्र में परंपरागत अथवा नवीनतम कोर्स कर खुद के लिए नए रास्ते बनाएं जा सकते हैं...

भविष्य की राह

खुद तय करें

कैसे आकाश में सुराख़ हो नहीं सकता,
एक पत्थर तो तबियत से उछालो यारो।

दुष्यंत कुमार
लेखक व शायर

खुद के भविष्य को लेकर प्रत्येक व्यक्ति का नजरिया अलग-अलग हो सकता है। हालांकि अधिकांश लोगों में अपने भविष्य के प्रति कोई स्पष्ट नजरिया ही नहीं होता है। आमतौर पर जिस काम को करने में आपके मन को शांति मिलती है और वह काम आपके भविष्य को नई ऊंचाई पर ले जा सकता है तो वही आपके लिए बेहतर हो सकता है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि मन को शांति सिर्फ उसी काम से मिलती है जिस काम को आप पंसद करते हैं। इसलिए कॅरिअर के चुनाव के लिए आप सबसे पहले अपने पसंदीदा कार्यों के बारे में सोचें। कई लोग अपने पसंदीदा कार्यों से ही अपना भविष्य बेहतर करने के तरीके ढूंढ लेते हैं और उसी के जरिये वे काफी लोकप्रियता और ऊंचाई भी प्राप्त करते हैं। अपने लक्ष्य को जानने-समझने और फिर उसी दिशा में खुद को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी है कि आप बाहर देखने और किसी का अनुकरण करने के बजाय अपनी पसंद/रुचि को समझने पर ध्यान दें। देखें कि आपको किस क्षेत्र में काम करने से ज्यादा खुशी मिल सकती है। जिस तरह के काम में आपको खुशी और संतुष्टि मिलती है, उससे जुड़े क्षेत्र में भविष्य तलाशें और संबंधित क्षेत्र का हुनर अर्जित करने पर ध्यान दें। अपनी पसंद के अनुसार लक्ष्य तय करके आगे बढ़ने का गंभीरता से प्रयास करेंगे, तो कामयाबी अवश्य मिलेगी। कभी-कभी सही मार्गदर्शन प्राप्त करने का फैसला आपकी जिंदगी को बदल देता है। इसलिए संबंधित क्षेत्र के अनुभवी व्यक्ति से सलाह और उसका व्यावहारिक अनुसरण कई बार भविष्य के लिए नया आयाम गढ़ने में सहायक होता है।

अमर उजाला
समूह का प्रकाशन
नवोन्मेषक स्व. अतुल माहेश्वरी

अमर उजाला लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक वीरेंद्र सिंह पठानिया द्वारा अमर उजाला लिमिटेड, सी-21, सेक्टर 59, नोएडा-201301 (गौतमबुद्ध नगर) से प्रकाशित एवं इम्प्रेशन्स प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18, 19, 20, सेक्टर-59, नोएडा-201301 (गौतमबुद्ध नगर) से मुद्रित।

संपादक. देव प्रकाश चौधरी
फोन. 120-4694000, 2583354 फैक्स. 0120-2587325

RNI No. UPHIN/2012/48168
ई-मेल. asktoudaan@amarujala.com

मौजूदा अर्थव्यवस्था में फिनटेक की भूमिका

फिनटेक से नए-नए मौके और नए बाजार मिलते हैं क्योंकि इससे प्रोडक्ट की अनबंडलिंग और री-बंडलिंग संभव है.....

फाइनेंशियल सर्विसेज के साथ जब टेक्नोलॉजी मिलती है तो बनता है फिनटेक। फिनटेक से नए-नए मौके और नए बाजार मिलते हैं क्योंकि इससे प्रोडक्ट की अनबंडलिंग और री-बंडलिंग संभव है। आमतौर पर यह कस्टमर और फाइनेंशियल डेटा तक पहुंच के कारण संभव होता है जो ऑनलाइन पेमेंट, डिजिटल वॉलेट और यूपीआई गेटवे जैसे डिजिटल चैनलों के माध्यम से मिलता है। पहले डिमोनेटाइजेशन के दौरान और फिर कोविड-19 के चलते देशव्यापी लॉकडाउन के चलते कैशलेस आधारित लेनदेन प्राथमिकता में आ गए। क्रेडिट/डेबिट कार्ड, ऑनलाइन बैंक हस्तांतरण, डिजिटल वॉलेट का उपयोग और यूपीआई ढांचे के माध्यम से मोबाइल भुगतान आदि से तत्काल सैटलमेंट जैसी प्रक्रियाएं हुईं। बड़ी मात्रा में लेन-देन और उनमें छिपे कई तरह के चलन को टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हुए संसाधित किए जाने से उनका विश्लेषण करने की ताकत हुई है, जिसका व्यापार में लाभ उठाकर व्यावसायिक अवसरों में परिवर्तित किया जा सकता है। संक्षेप में यही फिनटेक का वर्तमान प्रभाव है। हाल के दिनों में, भारत में फिनटेक को अपनाने की दर तेजी से बढ़ी है और इससे जुड़े बाजार के 2020 में 1920 बिलियन रुपये से बढ़कर 2025 तक 6207 बिलियन रुपये होने की उम्मीद है', यानी छह वर्षों में यह तिगुना हो जाएगा।' स्रोतः रिसर्च एंड मार्केट्स रिपोर्ट, मार्च 2020

फिनटेक की मौजूदगी:

ऑनलाइन शॉपिंग की सुविधा के लिए और कॉन्टैक्टलेस इंटरेक्शन सेजुड़ी तेज व्यापारिक गतिविधियों के लिए डिजिटल भुगतान अनिवार्य हो गया है। व्यावसायिक संस्थाओं के लिए सैटलमेंट में डिजिटल अपनाए बिना लेनदेन करना असंभव है। यहां तक कि भारत सरकार हमें डिजिटल भुगतान मोड का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करती है जो फीचर फोन प्रौद्योगिकियों से भी समर्थित हैं। इस तरह की पहल नागरिकों के बीच आर्थिक, सामाजिक और साक्षरता बाधाओं कोदूर कर रही है और ऑपरेटिंग झस्टम को और अधिक पारदर्शी और आदेश मानने वाला बनने में सक्षम बना रही है।

वाई. शेखर,
इंचार्ज, सेंटर फॉर डिजिटल एंटरप्राइज, आईआईएमयू

फिनटेक में अवसर और चुनौतियां

महामारी के दौर में देश ने सैटलमेंट के संबंध में उपभोक्ता व्यवहार में बदलाव का अनुभव किया। ऑनलाइन खाना ऑर्डर करने से लेकर यात्रा या मनोरंजन के लिए टिकट खरीदने या यहां तक कि फुटपाथ से उत्पाद खरीदने तक मोबाइल ऐप के माध्यम से भुगतान करना बहुत सुविधाजनक हो गया है। एक क्यूआर कोड स्कैन करने भर से सभी स्तरों के लोगों के लिए निपटान प्रक्रिया का पालन करना आसान हो गया। युवा और बुजुर्ग, तकनीक-प्रेमी, कॉर्पोरेट कार्यकारी और दैनिक वेतन भोगी... सभी ने आसानी से डिजिटल भुगतान किया। पारंपरिक वित्तीय संस्थान चार प्रमुख स्तंभों पर काम करते हैं - बचत, उधार, निवेश और बीमा। प्लेटफार्मों के संदर्भ में, ये सभी बैंक, बीमा कंपनी या निवेश दलाल की तरह संचालित होने के लिए विशिष्ट लाइसेंस की आवश्यकता के बिना एक ही मंच पर आ सकते हैं। चूंकि प्लेटफॉर्म सूचना के आधार पर काम कर रहे हैं, इसलिए कोई स्पष्ट शासी नीतियां और अधिकार क्षेत्र नहीं हैं। एक कैब प्लेटफॉर्म किराने का सामान और अन्य जरूरी सामान भी पहुंचा सकता है, यहां तक कि देश के कानून का उल्लंघन किए बिना फ्लोट मनी भी उधार दे सकता है। उपभोक्ताओं को एक छत्र सुरक्षा मिलती है। उनमें विश्वसनीयता और स्थिरता आती है।

बी2बी सेक्टर

बी2बी सेक्टर में, डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित अनुबंध, ऑर्डर और भुगतान तेजी से बढ़ रहे हैं। व्यवसायों के लिए त्वरित निर्णय लेने के लिए बड़े पैमाने पर और बड़ी मात्रा में डेटा को संसाधित और विश्लेषण करने के लिए फिनटेक समाधान महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं। मौजूदा ऑटोमेशन का समर्थन करने वाली एआई और ब्लॉक चैन जैसी तकनीकों के साथ, अंतरराष्ट्रीय और घरेलू यात्रा पूरी तरह से बंद होने पर भी वैश्विक व्यापार होता रहा। यह तब हुआ जब फिनटेक भी व्यवसाय संचालन का एक मुख्य हिस्सा बनने लगा। फिनटेक ने एक नई अवधारणा पेश की - क्रिप्टो करेंसी। हालांकि यह मुद्रा अत्यधिक अस्थिर है हालांकि कई देश इस विकल्प का मूल्यांकन कर रहे हैं। अगर यह मूल्यांकन सकारात्मक रहा तो नए अवसर जरूर मिलेंगे।

टिप्स फॉर सक्सेज

शानदार अंकों से पाएं मनचाहा रिजल्ट

परीक्षा में उत्कृष्ट रिजल्ट्स के लिए अपने सब्जेक्ट्स को अच्छी तरह से जानें, प्राथमिकता निर्धारित करें और प्लान करें...

श्रीप्रकाश शर्मा
जवाहर नवोदय विद्यालय, गढ़बनैली, पुर्णिया, बिहार

अच्छे अंक और एक्सीलेंट रिजल्ट्स के साथ परीक्षाएं पास करना सभी स्टूडेंट्स के जीवन का अहम लक्ष्य होता है। छात्र जीवन की इस सच्चाई के बारे में विचित्र कुछ भी नहीं है। लेकिन सच पूछिये तो अच्छे अंक की प्राप्ति का लक्ष्य सपने देखने जैसा आसान नहीं होता है। इस मंजिल तक पहुंचने का सफ़र कठिन मेहनत, त्याग और धैर्य के मुश्किल रास्तों से होकर गुजरता है। यदि एक छात्र अपने जीवन में धैर्यपूर्वक निरंतर कठिन मेहनत करता रहे तो परीक्षाओं में अच्छे अंक और रिजल्ट पाने का लक्ष्य अत्यंत ही आसान और संभव हो जाता है।

● सबसे पहले यह निर्धारित करें कि आप पाना क्या चाहते हैं

जीवन का लक्ष्य किसी जहाज के उस रौशनी जैसा काम करता है जो उसे रास्ता दिखाता है। लक्ष्य के अभाव में जीवन अर्थहीन हो जाता है। मानव जीवन में लक्ष्य का महत्व भी उसी तरह से महत्वपूर्ण है। इसीलिए प्रत्येक स्टूडेंट को यह जरुर फिक्स कर लेनी चाहिए कि उसके जीवन का सपना क्या है, वह अपने जीवन में क्या पाना चाहता है, वह एग्जामिनेशन में कितने परसेंट मार्क्स प्राप्त करना चाहता है। इस प्रकार अपने जीवन का उद्देश्य फिक्स कर लेने से परीक्षा की तैयारी करने में मन भटकता नहीं है और कठिन परिश्रम करने की तीव्रता और रूचि बनी रहती है।

● परीक्षा के विषयों और उसके पाठ्यक्रमों को अच्छी तरह से जानें

परीक्षा में सिलेबस रोडमैप जैसा महत्वपूर्ण काम करता है। इसीलिए अपना टारगेट फिक्स कर लेने के बाद दूसरा स्टेप एग्जामिनेशन के सभी सब्जेक्ट्स के सिलेबस को अच्छी तरह से जानना होता है। इससे आपको यह पता लगेगा कि आपको कितना पढ़ना है और इसके लिए कितनी मेहनत की जरूरत है।

● निरंतर अभ्यास से सफलता आसान होती है

सामान्य रूप से कुछ स्टूडेंट्स नियमित रूप से नहीं पढ़ते हैं। उपलब्ध समय के अनुसार नियमित रूप से पढ़ना सेल्फ-स्टडी भी कहलाता है। निरंतर अभ्यास से हम पूर्ण बन जाते हैं और यही बात पढ़ाई में भी लागू होती है। इसके लिए रोज दिन पढ़ने की आदत डालनी जरुरी है। इस तरह के रेगुलर स्टडी से सिलेबस को कवर करना भी आसान हो जाता है।

● विषय वस्तु को रटें नहीं, समझने की कोशिश करें

सब्जेक्ट मैटर्स को समझने की बजाय उसे रटने की कोशिश करना परीक्षा की तैयारी की शोर्ट - कट विधि है जिसमें मेमरी स्थायी नहीं होती है। क्योंकि इस तरह से रट कर याद किये हुए मैटर्स कुछ देर के लिए ही हमारे मस्तिष्क में रह पाती हैं। परीक्षा के समय रटी हुई ये चीजें अचानक ही दिमाग से गायब हो जाती है। इसीलिए चीजों को स्थायी रूप से याद रखने के लिए उसे समझना जरूरी होता है।

● पढ़ने के साथ-साथ लिखना भी जरूरी होता है

पढ़ने के साथ-साथ लिखने की कला के द्वारा हम किसी भी टॉपिक्स को बड़ी आसानी से समझ सकते हैं। इसके कारण लिखने की क्षमता का भी विकास होता है। इसीलिए जब भी पढ़ने बैठें तो अपने पास लिखने के लिए नोटबुक और पेन जरुर रखें। पढ़ने के

प्रत्येक सब्जेक्ट का नोट बुक अवश्य तैयार करें

परीक्षा की अच्छी तैयारी के लिए सभी विषयों के नोट बुक बनाना बहुत जरुरी होता है। क्योंकि परीक्षा के समय यह सब्जेक्ट मैटर्स को रिवाइज़ करने में काफी हेल्प करता है। प्रत्येक सब्जेक्ट के नोट बुक में उस सब्जेक्ट के सभी चैप्टर्स के सारे कॉन्सेप्ट्स, फोर्मुले, फिगर्स, फैक्ट्स, चैप्टर के लास्ट में दिए गये एक्सरसाइज के क्वेश्चन-आंसर साफ-साफ़ लिखे होने चाहिए। कोशिश यह भी होनी चाहिए कि नोट बुक में ओवरराइटिंग और गलतियां कम-से-कम हो ।

साथ मेन पॉइंट्स को नोट करते रहने से पचास प्रतिशत टॉपिक्स वैसे ही हमारे मस्तिष्क में स्थायी रूप से बैठ जाती है।

● अपने सब्जेक्ट्स को जानें, प्राथमिकता निर्धारित करें और प्लान करें

कहते हैं कि योजना बनाने में असफल होने का अर्थ असफल होने की योजना बनाना है। इसलिए अच्छे अंकों के साथ परीक्षा पास करने के लिए योजना अनिवार्य होता है। परीक्षा के लिए योजना बनाना कई बातों पर निर्भर करता है, जैसे कि हमारे लिए कौन-सा सब्जेक्ट्स डिफिकल्ट है और कौन-सा आसान। प्लान करते समय हम डिफिकल्ट सब्जेक्ट्स की तैयारी के लिए अधिक टाइम दे सकते हैं जबकि आसान विषयों के लिए कम समय देने में टाइम का मैनेजमेंट अच्छी तरह से हो पाता है।

● टाइम टेबल जरुर बनाएं

जब हम टाइम टेबल के अनुसार स्टडी करते हैं तो इसके कारण टाइम की बर्बादी नहीं होती है। हमें यह पता होता है कि किस समय में हमें क्या पढ़ना है। लेकिन टाइम-टेबल बनाने के लिए हमें बड़ी सावधानी से सोचना होगा कि हमारे पास स्टडी के लिए कितना टाइम अवेलेबल है और किस सब्जेक्ट के लिए अधिक और किस सब्जेक्ट के लिए कम समय देना है।

● स्मार्ट फ़ोन, सोशल मीडिया और गेम्स का विवेकपूर्ण उपयोग करें

आधुनिक समय में स्मार्ट फ़ोन जहां हमारे लिए कई प्रकार से वरदान साबित हुए हैं वहीं इसके प्रति नयी पीढ़ी का ओबसेशन सीरियस स्टडी की राह में एक बड़ी बाधा के रूप में कार्य करता है। यहां पर आपको अपने मन पर नियंत्रण रखने की जरूरत है। स्मार्ट फ़ोन पर गेम्स खेलने और सोशल मीडिया पर अपने फ्रेंड्स से चैट करने में बर्बाद हो रहे टाइम पर नियंत्रण रखें ताकि आप स्टडी में अपने बहुमूल्य समय का सदुपयोग कर पायें।

परीक्षा के दिन इन बातों का रखें ख्याल

परीक्षा का दिन किसी भी स्टूडेंट के लिए काफी डर और घबराहट का होता है। परीक्षा की अच्छी तैयारी के बावजूद उसके मन में कई संदेह बना ही रहता है। खुद को परीक्षा के डर, तनावों और संदेहों से बचा कर रखने के लिए और अपना परफॉरमेंस अच्छा करने के लिए इस दिन हमें निम्न बातों पर अवश्य ध्यान देना चाहिए -

- डरें नहीं और धैर्य रखें। खुद पर भरोसा रखें।
- प्रश्नों को सावधानी से पढ़ें और तभी उसके आंसर लिखें। कठिन प्रश्नों पर समय बर्बाद नहीं करें।
- प्रश्नों के उत्तर छोटे-छोटे पैराग्राफ में और पॉइंट्स में दें। प्रश्नों के उत्तर देते समय शब्द सीमा का ध्यान रखें।
- प्रश्नों के उत्तर देते समय आपके पास परीक्षा के लिए निर्धारित समय में से बचे हुए समय का भी ध्यान रखें।

परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करना एक कला है जिस पर मास्टरी एक स्टूडेंट के टैलेंट के अतिरिक्त कई अन्य महत्वपूर्ण बातों पर भी निर्भर करती है। जब हम कठिन मेहनत के साथ निरंतर अभ्यास करते जाते हैं तो अच्छे परिणाम मिलते हैं।

अग्निशमन क्षेत्र में चुनौतियां अवश्य हैं लेकिन रोजगार के अवसरों की भी कोई कमी नहीं हैं....

जेड. एस. लाकड़ा
डीसीएफएसई, दिल्ली

अग्निशमन क्षेत्र सेवा से जुड़ा कॅरिअर

फायर डिपार्टमेंट से जुड़ना एक कामयाब करियर के साथ साथ जनसेवा भी है। फायर फाइटर्स का मुख्य काम होता है आग लगने के कारणों का पता लगाना और उसे रोकने के उपायों का विश्लेषण करना। फायर फाइटिंग सिविल, इलेक्ट्रिकल, एन्वॉयरन्मेंटल इंजीनियरिंग से जुड़ा क्षेत्र है। मसलन आग बुझाने के यंत्रों की तकनीकी जानकारी, स्प्रिंक्लर सिस्टम, अलार्म, पानी की बौछार का सबसे स्टीक इस्तेमाल, कम से कम समय और कम से कम संसाधनों में ज्यादा से ज्यादा जान और काम की रक्षा करना उसका उद्देश्य होता है।

कैसे-कैसे पद

फायरमैन ही वह व्यक्ति होता है जो सीधे-सीधे आग से जूझता है। फायरमैन की टीम हर फायर स्टेशन में तैनात होती है। इसके ऊपर लीडिंग फायरमैन होता है। किसी भी फायर टेंडर का लीडर सब ऑफिसर होता है। जिसकी कमान में फायरमैन और लीडिंग फायरमैन होते हैं। किसी भी फायर स्टेशन का प्रमुख स्टेशन ऑफिसर होता है, जो न सिर्फ फायर स्टेशन की टीम को लीड करता है बल्कि इस बात की पूरी जानकारी रखता है कि उसकी जिम्मेदारी के दायरे में आने वाले इलाके में किस तरह की इमारते हैं, फैक्ट्रियां हैं, रिहाइशी इलाका है जहां आग लग सकती है। पूरे राज्य को अलग-अलग डिविजनों में बांटा जाता है और हर डिविजन की जिम्मेदारी असिस्टेंट डिविजनल ऑफिसर की होती है जो कार्य और इलाके के फैलाव के हिसाब से कई हो सकते हैं। इलाके में बनने वाली इमारतों में आग बुझाने के इंतजामात सही हैं या नहीं यह देखने सुनने की जिम्मेदारी इन्हीं की होती है। डिविजनल ऑफिसर की जिम्मेदारी भी वही होती है जो असिस्टेंट डिविजनल ऑफिसर की होती है और तीन असिस्टेंट डिविजनल ऑफिसर पर एक डिविजनल ऑफिसर होता है।

शैक्षणिक योग्यता

इस क्षेत्र में डिप्लोमा या डिग्री में दाखिले के लिए 12वीं पास एवं कुछ पदों के लिए बीई (फायर) की डिग्री अनिवार्य है।

ADMISSION ALERT

टीजीसी एनिमेशन एंड मल्टीमीडिया

कोर्स एवं अवधि

- बीएससी एनिमेशन एंड मल्टीमीडिया (3 वर्ष)
- एमएससी एनिमेशन एंड मल्टीमीडिया (2 वर्ष)
- एडवांस डिप्लोमा इन विजुअल एफएक्स एंड एनिमेशन (2 वर्षीय)
- एडवांस डिप्लोमा इन ग्राफिक डिजाइन / गेम डिजाइन / वेब डेवलपमेंट/ डिजिटल फोटोग्राफी/ म्यूजिक प्रोडक्शन (1 वर्ष)
- एडवांस डिप्लोमा इन पाइथन एंड डेटा साइंस /यूआई/यूएक्स डिजाइन/विडियो एडिटिंग (6 माह)
- एडवांस सर्टिफिकेशन इन डिजिटल मार्केटिंग /सीएडी/सीएएम (3 माह)

योग्यता: किसी भी विषय में 12वीं उत्तीर्ण
आवेदन प्रक्रिया: 200 रुपये नकद भुगतान अथवा डीडी दिल्ली स्थित संस्थान के पक्ष में देय कर प्रोस्पेक्टस और आवेदन पत्र प्राप्त किया जा सकता है। आवेदन पत्र को संस्थान की वेबसाइट से भी डाउनलोड कर सकते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 11 नवंबर, 2021 है।
वेबसाइट: www.tgcindia.com
पता: टीजीसी एनिमेशन एंड मल्टीमीडिया, एच-85ए, साउथ एक्सटेंशन पार्ट -1, नई दिल्ली- 110049 फोन-9582786406/07

आलेखन की कला विकसित करें

आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविद् और समीक्षक

वास्तव में, आलेखन अथवा प्रारूपण पत्रलेखन-कला का अति विकसित/उन्नत रूप है, जिसे प्रतियोगितात्मक परीक्षाओं की तैयारी करनेवाले प्रत्येक विद्यार्थी को गम्भीरतापूर्वक समझना होगा और उसे लिखने का अभ्यास करना होगा। इसके लिए उससे सम्बन्धित समस्त तथ्यों को जानना और समझना अपरिहार्य हो जाता है। हमारे विद्यार्थियों को स्मरण होगा कि पत्रलेखन/पत्र-लेखन कराने का वास्तविक अभ्यास छठी ('छठीं', 'छटी', 'छठवी' तथा 'छठवीं' अशुद्ध हैं।) कक्षा से ही आरम्भ कराया जाता है। किसी भी प्रकार के पत्रलेखन में 'सम्बोधन', 'सम्बोधन' के अनुरूप 'अभिवादन-शैली', 'पत्रलेखन का आरम्भिक विषय', 'मध्य का विषय', 'अन्त का विषय' किस प्रकार के होने चाहिए, ये सभी तथ्य किसी भी प्रकार के पत्रलेखन के लिए अत्यन्त आवश्यक होते हैं। आरम्भिक कक्षाओं में पत्रलेखन के लिए सामान्य विषय रहते हैं; क्योंकि तब विद्यार्थियों का बौद्धिक धरातल अति सामान्य रहता है। जैसे-जैसे उनकी बुद्धि का स्तर समृद्धतर होता रहता है, पत्रलेखन के विषय और लेखन-शैली में भी परिवर्त्तन होने लगते हैं; उनकी कल्पना और उनका शब्द-संयोजन परिपक्व दिखने लगता है।

स्नातक की उपाधि अर्जित करने के पश्चात् हमारे विद्यार्थी स्वयं को एक ऐसे 'चतुष्पथ' (चौराहे) पर खड़ा पाते हैं, जिधर से उनके विकास के लिए चारों ओर के मार्ग खुले दिखने लगते हैं। ऐसे में, वे किस सेवाक्षेत्र में जाना चाहते हैं, इसे वे अपनी अभिरुचि और प्राथमिकता के स्तर पर चयन करते हैं। यही कारण है कि वे किस प्रतियोगितात्मक परीक्षा की तैयारी करें, इसका चयन करने में उन्हें कोई कठिनाई नहीं होती। प्रतियोगिता-स्तर पर उनके लिए एक 'लिपिक'-सेवा से लेकर 'प्रशासनिक' सेवा-हेतु मार्ग प्रशस्त रहते हैं, जिनका चयन वे अपनी/अपने सामर्थ्य के अनुसार करते हैं। वैसी परीक्षाओं के लिए उनके लिए वही 'पत्रलेखन' आलेखन/प्रारूपण के नाम से जाना जाता है, जिनका रूप बदला हुआ रहता है। ऐसे में, उस परिवर्त्तित पत्रलेखन की परिभाषा होती है- जब किसी विषय पर उच्चाधिकारी के आदेश अथवा सम्बन्धित पत्रों अथवा उनके सारांश के आधार पर किसी आदेश, प्रस्ताव, सूचना, स्मृति आदिक का का प्रारूप तैयार किया जाता है तब वे 'आलेखन' अथवा 'प्रारूपण' कहलाते हैं। हमारे विद्यार्थियों को यह स्मरण करना होगा कि आलेखन एक निश्चित उद्देश्य के ही अन्तर्गत किया जाता है। आप यदि उत्तम आलेखन करना चाहते हों तो उसके लिए चार तथ्यों को समझना होगाः-

1- शुद्धता 2- पूर्णता
3- स्पष्टता 4- संक्षिप्तता।

अब हम यहाँ इन चारों बिन्दुओं ('बिन्दुओं' अशुद्ध है।) पर क्रमशः विचार करेंगे।

1- शुद्धताः

- आलेखन अथवा प्रारूपण-लेखन करते समय उसमें निर्देश, पत्र-संख्या अथवा पत्रांक, दिनांक, तथ्य आदिक का उल्लेख करते समय शुद्धता और प्रासंगिकता के प्रति ध्यान केन्द्रित करना चाहिए।
- आलेखन का मन्तव्य यदि सुस्पष्ट न हो तो पुनः लेखन करें। ऐसा इसलिए कि किसी प्रकार की छोटी-सी भूल भी कर्मचारी को आगे चलकर उलझन में डाल सकती है।
- आपके आलेखन में ऐसी किसी भी प्रकार की ध्वनि न निकले, जिससे कर्मचारी की दक्षता और निपुणता अधिकारी की दृष्टि में सन्दिग्ध हो।
- आलेखन तैयार करते समय प्रायः अंकों और तिथियों में भूलें हो जाती हैं, इसलिए पूरी तरह से सतर्क रहना होगा।
- इनके अतिरिक्त संदर्भित विषय-सम्बन्धित उपनियमों का उल्लेख अनिवार्य हो जाता है, अतः कर्मचारी को नियम-उपनियमों का बोध होना चाहिए।
- नियम-उपनियमों का उल्लेख करते समय किसी भी प्रकार के संदेह की स्थिति में सम्बन्धित विधान की निर्देश-पुस्तिकाओं (Directories) का सहारा लेना चाहिए।
- भाषा को विचारों का संवाहक कहा गया है। विचारों को लिपिबद्ध करते समय सदैव शुद्ध और समीचीन भाषा का प्रयोग करना चाहिए।
- भाषा-प्रवाह पर विशेष रूप में ध्यान करना चाहिए (यहाँ 'देना चाहिए' का प्रयोग अशुद्ध है; क्योंकि 'क्रियात्मक शब्द' में 'देना' का प्रयोग औचित्य रहित है।)।
- पत्र-व्यवहार की एक निर्धारित रूपरेखा होती है, जिसका अनुसरण करने में बिलकुल आलस्य नहीं करना चाहिए।

अगले अंक में जारी...

अपने सामान्य ज्ञान को बेहतर करने के लिए जरूरी है कि पिछली परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नों का पैटर्न समझा जाए...

निम्नलिखित में से कौन-सा द्वीप कैरेबियन सागर में स्थित है? (UPPSC Exam 2021)

(a) ग्रेनाडा
(b) मोंटसेराट
(c) मडीरा
(d) एंगुइला

जवाब: (c) मडीरा

व्याख्या: मडीरा पुर्तगाल का स्वायत्त प्रदेश है, जो अटलांटिक महासागर में स्थित द्वीप है। हाल ही में यहां के प्रशासक ने अधिक स्वायत्ता की मांग की है। कैरेबियन सागर क्षेत्र में वेस्ट इंडीज के कई द्वीप और आस-पास के तट शामिल हैं। कैरेबियन सागर सबसे बड़े समुद्रों में से एक है और इसका क्षेत्रफल लगभग 2,754,000 वर्ग किमी है। कैरेबियन सागर में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा बैरियर रीफ, मेसोअमेरिकन बैरियर रीफ है । यह मेक्सिको, बेलीज , ग्वाटेमाला और होंडुरास के तटों के साथ 1,000 किमी फैला है ।

भारत में थोक मूल्य सूचकांक के आंकड़े कौन-सा संस्थापन/ कार्यालय जारी करता है? (UPPSC Exam 2021)

(a) भारतीय रिजर्व बैंक
(b) वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
(c) वित्त मंत्रालय
(d) उपभोक्ता मामले खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

जवाब: (b) वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

व्याख्या : थोक मूल्य सूचकांक के आंकड़े वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के आर्थिक सलाहकार के कार्यालय द्वारा भारत में थोक मूल्य सूचकांक आंकड़े जारी किए जाते हैं। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) के अनंतिम आंकड़े देश भर में चयनित विनिर्माण इकाइयों से प्राप्त आंकड़ों के साथ संकलित किए जाते हैं और हर महीने की 14 तारीख (या अगले कार्य दिवस) को जारी किए जाते हैं। वर्तमान में इस सूचकांक में कुल मिलाकर 697 वस्तुऐं शामिल हैं। प्राथमिक वस्तुओं में 117, ईंधन और बिजली में 16 और विनिर्मित उत्पादों के समूह में 564 उत्पाद शामिल हैं।

भारत में आपदा प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन विभाग, गृह मंत्रालय का नोडल विभाग है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का पदेन अध्यक्ष कौन होता है? (UPPSC Exam 2021)

(a) प्रधानमंत्री (b) गृहमंत्री
(c) रक्षामंत्री (d) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री

जवाब : (a) प्रधानमंत्री

व्याख्या : भारत के प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), भारत में आपदा प्रबंधन के लिए शीर्ष निकाय है। आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के द्वारा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की स्थापना और राज्य और जिला स्तरों पर संस्थागत तंत्र के लिए एक सक्षम वातावरण का निर्माण अनिवार्य किया गया है। आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 8 के तहत राष्ट्रीय प्राधिकरण को उसके कार्यों के निष्पादन में सहायता देने के लिये एक राष्ट्रीय कार्यकारी समिति का गठन किया जाता है। केंद्रीय गृह सचिव इसका पदेन अध्यक्ष होता है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (NIDM) के पास NDMA द्वारा सृजित व्यापक नीतियों और दिशा-निर्देशों के अधीन आपदा प्रबंधन के लिये मानव संसाधन विकास और क्षमता निर्माण का अधिदेश है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF) आपदा मोचन हेतु एक विशेषीकृत बल है और यह NDMA के समग्र पर्यवेक्षण और नियंत्रण में कार्य करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 1 जून, 2016 को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना जारी की थी।

उत्तर प्रदेश के बजट 2021-22 में किस योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को टैब्लेट देने की घोषणा की है? (UPPSC Exam 2021)

(a) मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना
(b) मुख्यमंत्री रोजगार योजना
(c) मुख्यमंत्री बालसेवा योजना
(d) मुख्यमंत्री सेवा योजना

जवाब : (a) मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना

व्याख्या: 22 फरवरी 2021 को उत्तर प्रदेश के बजट के अंतर्गत अभ्युदय योजना के 1000000 युवाओं को मुफ्त टेबलेट देने की घोषणा की गई है। टेबलेट वितरण के लिए सरकार द्वारा जल्द पात्रता शर्तें जारी की जाएंगी। इस टैबलेट के माध्यम से छात्रों को

पढ़ाई करने के लिए सामग्री जुटाने में मदद मिलेगी। उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस पर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आईएएस, आईपीएस, पीसीएस, एनडीएस, सीडीएस, नीट और जे ई ई जैसी प्रतियोगिताओं की परीक्षा की तैयारी करने के लिए मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना आरंभ की गई है। इस योजना के अंतर्गत ऐसे सभी छात्रों को निशुल्क कोचिंग प्रदान की जाएगी जो इन परीक्षाओं की तैयारी करना चाहते हैं लेकिन अपनी आर्थिक स्थिति के कारण नहीं कर पाते हैं।

निम्नलिखित में से कौन एक कोको का प्रमुख उत्पादक देश नहीं है? (UPPSC Exam 2021)

(a) लातविया (b) घाना
(c) आइवरी कोस्ट (d) कैमरून

जवाब : (a) लातविया

व्याख्या : कोको नामक वृक्ष के फलों के बीज से कोको तैयार किया जाता है। इन बीजों को सुखाकर भुनने पर कोको तैयार होता है। यह भी चाय की तरह पेय पदार्थ है तथा इससे चॉकलेट भी बनाया जाता है। इसका वृक्ष 4 मीटर से 7 मीटर तक ऊंचा होता है तथा इसके फल तनों पर लगते हैं। कोको विषुवत् रेखीय उष्ण तथा आर्द्र निम्न भूमि प्रदेशों का पौधा है। अतः इसे उच्च तापमान तथा अधिक वर्षा की आवश्यकता होती है। कोको के मुख्य उत्पादक देश आइवरी तट, घाना, ब्राजील, मैक्सिको, न्यूगिनी, वेनेजुएला,कैमरून, फिलीपीन्स तथा मलेशिया हैं।

निम्नलिखित में से कौन-सा अनुच्छेद आकस्मिकता निधि से सम्बंधित है? (UPPSC Exam 2021)

(a) अनुच्छेद 265
(b) अनुच्छेद 267
(c) अनुच्छेद 266
(d) अनुच्छेद 268

जवाब : (b) अनुच्छेद 267

व्याख्या : इसका उल्लेख अनुच्छेद- 267 में किया गया है। यह निधि राष्ट्रपति या कार्यपालिका या सरकार के अधीन होती है अर्थात इस निधि से पैसा निकालने के लिए संसद की इजाजत की जरूरत नहीं होती है लेकिन इस निधि का गठन संसद ही करती है अर्थात संसद ही तय करती है कि इस निधि में कितना पैसा होगा। 1951 में भारत में एक आकस्मिकता निधि अधिनियम पारित किया गया। जिसके तहत एक आकस्मिकता निधि का निर्माण किया गया। वर्तमान समय में ये निधि 500 करोड़ रुपये का है जो कि संचित निधि से इसमें डाला जाता है।

विश्व युवा कौशल दिवस 2021 का विषय क्या है? (UPPSC Exam 2021)

(a) यंग पीपल एंड स्किल्स
(b) स्किल्स डिवेलप्मेंट एंड एम्प्लॉयमेंट
(c) यंग पीपल एंड एंत्राप्रेन्योरशिप
(d) रीइमैजिनिंग यूथ स्किल्स पोस्ट पैंडेमिक

जवाब: (d) रीइमैजिनिंग यूथ स्किल्स पोस्ट पैंडेमिक

व्याख्या : इस साल की थीम 'रीइमैजिनिंग यूथ स्किल्स पोस्ट पैंडेमिक' है। जिसका उद्देश्य Covid-19 महामारी के दौरान युवाओं की क्रिएटिविटी का जश्न मनाना है। श्रीलंका की पहल पर 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने हर साल 15 जुलाई को विश्व युवा कौशल दिवस के तौर पर मनाये जाने का फैसला लिया। साल 2015 में ये पहली बार मनाया गया। दरअसल, इस दिन युवाओं के कौशल विकास में निवेश के महत्व में जागरूकता को बढ़ाने के उद्देश्य से मनाया जाता है।

फ्लाई एश प्रदूषण होता है? (UPPSC Exam 2021)

(a) तेल-शोधन से
(b) उर्वरक उद्योग से
(c) ताप विद्युत संयंत्र से
(d) खनन से

जवाब : (c) ताप विद्युत संयंत्र से

व्याख्या :'फ्लाई ऐश' तापीय विद्युत उत्पादन में कोयले के जलने से उत्पन्न उपोत्पाद है। फ्लाई ऐश के कण जहरीले वायु प्रदूषक हैं। वे हृदय रोग, कैंसर, श्वसन रोग और स्ट्रोक को बढ़ा सकते हैं। ये जल के साथ मिलाने पर भूजल में भारी धातुओं के निक्षालन का कारण बनते हैं। यह मृदा को भी प्रदूषित करता है और पेड़ों की जड़ विकास प्रणाली को प्रभावित करता है।

निम्नलिखित में से किस एक शहर में भारत का प्रथम भारतीय कौशल संस्थान खोला गया है? (UPPSC Exam 2021)

(a) अहमदाबाद
(b) मुंबई
(c) कानपुर
(d) रोहतक

जवाब: (c) कानपुर

व्याख्या: 19 दिसंबर, 2016 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कानपुर, उत्तर प्रदेश में देश के पहले 'भारतीय कौशल संस्थान' की आधारशिला रखी गई।

संकलनकर्ता: जितेश जोशी

ADMISSION ALERT

दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ फायर इंजीनियरिंग

कोर्स एवं अवधि

- *ट्रेड डिप्लोमा इन हेल्थ सेफ्टी एंड एन्वायरन्मेंट- (18 माह)*

योग्यता : 10+2 (बोर्ड ऑफ टेक्निकल एजुकेशन, दिल्ली सरकार)

- सर्टिफिकेट कोर्स इन फायर टेक्नोलॉजी एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट- 1 वर्ष

योग्यता: 12वीं पास (बोर्ड ऑफ टेक्निकल एजुकेशन, दिल्ली सरकार)

- सर्टिफिकेट कोर्स इन फायर फाइटिंग - छह माह

योग्यता: 10वीं पास (बोर्ड ऑफ टेक्निकल एजुकेशन, दिल्ली सरकार)

- सर्टिफिकेट कोर्स इन फायर टेक्नोलॉजी एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट- तीन माह

(कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार)

अंतिम तारीख: 10 नवंबर, 2021

आवेदन प्रक्रिया: दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ फायर इंजीनियरिंग, दिल्ली से प्रोस्पेक्टस और आवेदन फॉर्म 300 रुपये शुल्क देकर प्राप्त किया जा सकता है।

पता- दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ फायर इंजीनियरिंग G-579, राजनगर, पार्ट-2, निकट दादा देव मंदिर सेक्टर-7,द्वारका, नई दिल्ली-110077,
Tel: 9312245493
E-mail: contactdife@gmail.com
website: www.dife.in

INSPIRATION

WHAT'S BETTER?

If life is taking our new test daily- should we be upset or Face them bravely?
If we didn't get what we deserved- should we panic or wait patiently?
If no one is there to help when we needed - should we wait for someone or help ourselves independently?
If happiness is taking time to reach our door- should we welcome sorrow or make the shorter way for happiness?
If people are taking due advantage of our circumstances - should we reply abruptly or wait for the correct time?

-Unnati

एग्रो स्टार्टअप
कॅरिअर के नए द्वार

एग्रो स्टार्टअप मुख्य रूप से कृषि क्षेत्र या उससे संबंधित क्षेत्र में काम करते हैं। तकनीकी उन्नति के साथ आज कृषि में अनेक संभावनाएं पैदा हुई हैं....

आमतौर पर कृषि को नुकसान के नजरिये से देखा जाता है, मगर अब यह तस्वीर बदल रही है। अगर नई सोच और आधुनिक तकनीक समावेश कर एग्रो स्टार्टअप के रूप में कृषि क्षेत्र में प्रवेश किया जाए तो पैसे के साथ-साथ दूसरों की समस्याएं भी हल कर सकते हैं।

क्या है एग्रो स्टार्टअप

स्टार्टअप एक नई कंपनी होती है, जिसको शुरू करने के बाद उसको डेवलप किया जाता है। आमतौर पर स्टार्टअप यानी नई कंपनी शुरू करने को कहा जाता है, जिसको कोई यूथ स्वंय या दो तीन लोगों के साथ मिलकर शुरू करता है। एग्रो स्टार्टअप मुख्य रूप से कृषि क्षेत्र या उससे जुड़े क्षेत्र में काम करते है। इसमें इंटरनेट ऑफ थिंग्स, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस जैसी तकनीक की मदद से तकनीकी, गैर तकनीकी और वित्तीय क्षेत्र में काम शुरू किया जाता है।

तेजी से बढ़ रहा है कृषि स्टार्टअप

एक शोध के अनुसार दुनिया में हर नौवां एग्रीटेक स्टार्टअप भारत में शुरू हो रहा है। तकनीकी क्षेत्र की कंपनियां नए बिजनेज मॉडल के साथ इसमें आ रही हैं। यह सेक्टर औसतन 25 फीसदी की दर से बढ़ रहा है। मोदी सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने और युवाओं को रोजगार अवसर प्रदान करने के लिए कृषि क्षेत्र के स्टार्ट-अप्स को प्रोत्साहित करने की नीति बनाई है।

नई सोच से बदलते हालात

इनोवेशन के चलते यह क्षेत्र बदलाव के दौर में है। सरकार की ओर से फूड प्रोसेसिंग सेक्टर में ध्यान दिये जाने से किसानों की कृषि उपज की मांग संगठित क्षेत्र में बढ़ी है। मेगा फूड पार्क को मंजूरी दिए जाने से कृषि क्षेत्र मजबूत हुआ है। जैसे-जैसे स्थानीय किसान एग्रीटेक स्टार्टअप के बेहतर समाधानों के साथ जुड़े हैं, वैसे-वैसे बिजनेस के तमाम प्रारूपों को बढ़ावा मिला है। इससे बाजार पर बेहतर पकड़ बनी है, तकनीक का तेजी से उपयोग बढ़ा है।

क्या करते है एग्रो स्टार्टअप

कई स्टार्टअप ऐसे हैं, जो इमेजरी टेक्नीक के जरिये किसानों को मिट्टी की गुणवत्ता के बारे में बता रहे हैं। इससे किसानों को मिट्टी के अनुसार सही फर्टिलाइजर और बीजों के इस्तेमाल में मदद मिली है। मिट्टी और पानी को जांचने के लिए आईओटी तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। कई स्टार्टअप किसानों को संक्रमण, जलवायु के बारे में बताने के साथ पानी की उपलब्धता, उसके छिड़काव के सिस्टम मुहैया कराने के काम से जुड़े हैं। एग्रीटेक स्टार्टअप किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त करने में मदद कर रहे हैं, बेहतर वितरण प्रणाली दे रहे हैं और बिचौलिये कम कर उनकी आमदनी में इजाफा कर रहे हैं। कहने की जरूरत नहीं है कि कृषि में आज कॅरिअर की अच्छी संभावनाएं मौजूद हैं।

पढ़ाई के अवसर

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के करीब सौ संस्थानों के अलावा 650 से अधिक कृषि विज्ञान केंद्र और तमाम राज्य कृषि विश्वविद्यालय इन तकनीकों के विकास में लगे हुए हैं। कृषि में फाइनेंस, तकनीक व गैर-तकनीकी क्षेत्रों के इच्छुक युवाओं के लिए मौके बन सकते हैं।

टॉप फ्रेंच डिजाइन स्कूल ने दिल्ली में रखा कदम

इकोल इन्टुइट लैब, एक शीर्ष फ्रेंच डिजाइन संस्थान, भारत में अपने तीसरा स्कूल खोलने के लिए दिल्ली स्थित जे एस इंस्टीट्यूट ऑफ़ डिजाइन के साथ साझेदारी कर रहा है। नए स्कूल में चार स्नातक प्रोग्राम (दृश्य संचार एवं रूपरेखा; गेम आर्ट एवं रूपरेखा; फाइन आर्ट्स; एवं डिजिटल प्रोडक्ट रूपरेखा) तथा एक स्नातकोत्तर प्रोग्राम (एडवरटाइजिंग, डिजाइन एवं डिजिटल कम्युनिकेशन) प्रस्तावित हैं। जहां तक डिजाइन शिक्षा का भारत में भविष्य का प्रश्न है, इंडिया डिजाइन काउंसिल की एक रिपोर्ट का आंकमन है कि भारतीय बाजार ग्राफ़िक कम्युनिकेशन और पैकेजिंग डिजाइन व्यवसाय का आकार 5,500 करोड़ रुपये से भी अधिक है और हम उसके एक अंश मात्र को छू पाए हैं।

यह डिजाइन के लिए महान अवसर दर्शाता है, विजुअल कम्युनिकेशन एवं पैकेजिंग डिजाइन के क्षेत्र में। युवाओं में गेमिंग के बढ़ते रूझान को देखते हुए, गेम आर्ट, डिजाइन और डेवलपमेंट के क्षेत्र में अवसर बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं। गेम इंडस्ट्री में 15,000 लोगों के कार्यरत होने के बावजूद उपयुक्त योग्य कर्मियों की अनुपलब्धता की वजह से हजारों पद रिक्त हैं। डिजिटल प्रोडक्ट डिजाइन के लिए भी डिजाइनरों की मांग तेजी से बढ़ रही है। वेब एवं मोबाइल ऍप्लिकेशन्स में एकाएक वृद्धि के चलते आने वाले वर्षों में जैसे - जैसे नई तकनीक और सेवाएं बाजार में आएंगी वैसे - वैसे यूजर इंटरफेस (UI) तथा कस्टमर एक्सपीरियंस (UX/CX) क्षेत्र में कार्य करने वालों की संख्या में खासी वृद्धि देखने को मिलेगी।

डॉ प्रमथ राज सिन्हा, संस्थापक - अशोका विश्वविद्यालय, आई एस बी (ISB) एवं जे एस इंस्टीट्यूट ऑफ़ डिजाइन, कहते हैं: "हमें सुनिश्चित करना है कि डिजाइन विद्यार्थी त्वरित वैश्विक आर्थिकी की जरूरतों के हिसाब से ज्ञान एवं दक्षता से लैस हों। बहुत से नए रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं, विद्यार्थियों को सिर्फ पेशेवर शिक्षा से नहीं बल्कि इंटर्नशिप एवं परामर्श द्वारा अर्जित औद्योगिक अनुभव से भी सुसज्जित होने की आवश्यकता है।"अपनी उपस्थिति को सशक्त बनाने पर टिपण्णी करते हुए इकोल इन्टुइट लैब के संस्थापक क्लेमेन्ट डेरोक ने कहा, "इकोल इन्टुइट लैब शीर्ष 5 फ्रेंच डिजाइन स्कूलों में से एक है। हमारे कार्यक्रम, पाठ्यक्रम, एवं शिक्षण के तौर तरीके समकालीन हैं एवं डिजाइन उद्योग में हो रहे परिवर्तनों की आवश्यकता के साथ पूरी तरह सम्बद्ध हैं। हम इकोल इन्टुइट लैब में भारतीय विद्यार्थियों के वैश्विक चलन तकनीक से सामंजस्य बिठाने के लिए फ्रांस में एक सेमेस्टर का अवसर देते हैं तथा लगातार अंतर्राष्ट्रीय शिक्षकों को आमंत्रित करते हैं। हम (इकोल) जे एस इंस्टीट्यूट ऑफ़ डिजाइन को आदर्श पार्टनर के रूप में देखते हैं क्यूंकि वे डिजाइन शिक्षण के बारे में समान दृष्टि रखते हैं।"

डॉ. प्रमथ राज सिन्हा
संस्थापक, अशोका यूनिवर्सिटी

जे एस इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन के बारे में

इस इंस्टीट्यूट की स्थापना स्व. जगदीश खंडेलवाल एवं डॉ प्रमथ राज सिन्हा द्वारा 2019 में की गयी थी भारत में डिजाइन व्यवसाय में निपुण कर्मियों की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करने के लिए। डिजाइन के क्षेत्र में गहन अनुभव एवं आविष्कारक शिक्षण संस्थानों की स्थापना में संस्थापकों ने पाया कि एक समग्र दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है जो विद्यार्थियों में शैक्षणिक अवधारणाओं के साथ उद्योग केंद्रित कार्य अनुभव का उचित माहौल विकसित करे। जे एस इंस्टीट्यूट ऑफ़ डिजाइन में विद्यार्थियों को डिजाइन में एक शैक्षणिक पाठ्यक्रम के साथ व्यवसाय व अग्रणी शिक्षा से अलंकृत करने के लिए डिजाइन क्षेत्र के दिग्गजों द्वारा सलाह दी जाती है।

क्या है इकोल इन्टुइट लैब

***इसकी** स्थापना पैरिस में 2001 में संयुक्त रूप से क्लेमों डेरोक और फ्रेडरिक लेलैंड द्वारा की गयी थी। इन दिग्गज्जों की दृष्टि एक संस्कृति बनाने की थी, न कि सिर्फ एक स्कूल। इस संसथान के नेटवर्क में 27 सहयोगी विश्वविद्यालय एवं 1,000 से अधिक एजेंसियां नार्थ अमेरिका, लैटिन अमेरिका, यूरोप एवं एशिया में हैं। SMBG (2015) द्वारा इसे फ्रांस के सर्वश्रेष्ठ 5 ग्राफ़िक डिज़ाइन स्कूलों में चुना गया है। अभी तक संसार के 100 से अधिक डिसाइनर्स, व्यवसायी और कलाकारों ने इकोल इन्टुइट लैब के प्रांगण में कार्यशालाएं आयोजित की हैं जो क्षेत्रों के रचनात्मक दृष्टिकोण को पोषित करने में योगदान दे रही हैं।*

एफएटीएफ की ग्रे सूची में
तुर्की और पाकिस्तान शामिल

यह वितीय कानूनी, विनियामक व परिचालन उपायों के प्रभावी कार्यान्वियन को बढ़ावा देता है....

आतंकवाद के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं करने के कारण पाकिस्तान को फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की ग्रे सूची में बरकरार रखा गया है। पेरिस स्थित संगठन एफएटीएफ के अध्यक्ष डॉ. मार्कस प्लेयर ने कहा, भारत के सबसे वांछित आतंकियों हाफिज सईद, मसूद अजहर और उनके संगठनों के खिलाफ पाकिस्तान को और ठोस कार्रवाई करनी होगी।

मार्कस ने कहा, यह फैसला संगठन की वर्चुअल बैठक में किया गया। पाकिस्तान को यूएन द्वारा घोषित आतंकी संगठनों और उनके सहयोगियों के नेताओं तथा सरगनाओं के खिलाफ कार्रवाई और उन्हें वित्तीय मदद की जांच में तेजी लानी होगी। फिलहाल उसे ग्रे सूची में ही रखा जाएगा। उसने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं लेकिन आतंकी संगठनों के वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ जांच और मुकदमे के लिए उसे दृढ़ इच्छाशक्ति दिखानी होगी।

तुर्की को भी करने होंगे गंभीर प्रयास

इसके साथ ही आतंकियों को वित्तीय मदद पर अंकुश लगाने में विफल रहने पर तुर्की को भी ग्रे सूची में रखा गया है। मार्कस ने कहा, तुर्की ने 2019 के अंत से अभी तक कई समीक्षा और प्रयास किए हैं। रिपोर्ट में मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकियों को वित्तीय मदद से निपटने और इन पर रोक लगाने के लिए तुर्की के प्रयासों से जुड़े कई गंभीर मुद्दों का आकलन किया गया। इस दौरान तुर्की ने कुछ प्रयास तो किए हैं लेकिन कुछ गंभीर मसलों पर अब भी प्रयास किया जाना बाकी है।

ग्रे लिस्ट में होने का प्रभाव

एफएटीएफ द्वारा ब्लैकलिस्ट में शामिल किए जाने पर पाकिस्तान को उसी श्रेणी में रखा जाएगा जिसमें ईरान और उत्तर कोरिया को रखा गया है और इसका मतलब यह होगा कि वह अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों जैसे आईएमएफ और विश्व बैंक से कोई ऋण प्राप्त नहीं कर सकेगा। इससे अन्य देशों के साथ वित्तीय डील करने में भी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था दिवालियेपन की कगार पर है और ग्रे लिस्ट में रखे जाने पर उसकी इकॉनमी को और नुकसान होगा। इसकी वजह इंटरनैशनल मॉनिटरिंग फंड (आईएमएफ), विश्व बैंक और यूरोपीय संघ से आर्थिक मदद मिलना मुश्किल होगा। इससे जाहिर है उसकी अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ेगा। बता दें कि जून 2018 में ही फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) ने पाक को सबसे पहली बार ग्रे लिस्ट में डाला था। इसके तहत उसे टेरर फंडिंग और मनी लाउंड्रिंग पर ऐक्शन लेना था।

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ)

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) एक अंतर-सरकारी निकाय है जिसे फ्रांस की राजधानी पेरिस में जी7 समूह के देशों द्वारा 1989 में स्थापित किया गया था। इसका काम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग), सामूहिक विनाश के हथियारों के प्रसार और आतंकवाद के वित्तपोषण पर निगाह रखना है। इसके अलावा एफएटीएफ वित्त विषय पर कानूनी, विनियामक और परिचालन उपायों के प्रभावी कार्यान्वियन को बढ़ावा देता है। एफएटीएफ के निर्णय लेने वाला निकाय को एफएटीएफ प्लेनरी कहा जाता है। इसकी बैठक एक साल में तीन बार आयोजित की जाती है। ज्ञातव्य है कि जून 2018 में एफएटीएफ ने पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में शामिल किया था बाद में इस अवधि को और बढ़ा दिया गया।

WEEKLY DAIRY

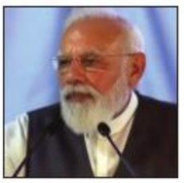

20 अक्तूबर

प्रधानमंत्री ने कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया। यह यूपी का तीसरा व सबसे लंबे रनवे वाला एयरपोर्ट है। कुशीनगर हवाई अड्डे के नए टर्मिनल की 3600 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैली इमारत 260 करोड़ रुपये की लागत से एएआई ने उ.प्र. सरकार के सहयोग से बनाई है।

21 अक्तूबर

सीसीईए ने पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान को मंजूरी दी है, जिसमें मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए इसकी शुरुआत, कार्यान्वयन, निगरानी और समर्थन तंत्र के लिए संस्थागत ढांचा स्थापित करना शामिल है। सीसीईए ने नेटवर्क योजना समूह (एनपीजी) के गठन, संरचना और अधिकार क्षेत्र को भी मंजूरी दे दी है।

22 अक्तूबर

रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना के लिए 423 करोड़ रुपये की लागत से एमके 54 टॉरपीडो और एक्सपेंडेबल (शैफ एंड फ्लेयर्स) की खरीद के लिए विदेशी सैन्य बिक्री (एफएमएस) के तहत यूएसए के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। यह हथियार लंबी दूरी की समुद्री निगरानी में सहायक पी-8। एयरक्राफ्ट के अंग हैं।

खेल

■ दुनिया की 20वें नंबर की टेनिस खिलाड़ी इस्टोनिया की एनेट कोंटावित ने क्रेमलिन कप खिताब जीत लिया। एनेट ने फाइनल में रूस की एकाटेरिना अलेक्जेंद्रोवा को पराजित किया। एनेट की यह लगातार दसवीं जबकि पिछले 23 मैचों में 21वीं जीत है।

■ 24 अक्तूबर को इथोपिया की 23 वर्षीय लेतेसेनबेट गिडे ने हाफ मैराथन में नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। गिडे ने वेलेंसिया हाफ मैराथन एक घंटे दो मिनट और 52 सेकंड में जीतकर यह उपलब्धि हासिल की।

■ पायस जैन लड़कों के अंडर-17 वर्ग में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के कारण दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बन गए। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले सबसे युवा भारतीय हैं। पायस के 3458 अंक हैं।

■ 23 अक्तूबर को बंगाल के स्वदेश मंडल ने 37वीं सब जूनियर और 47वीं जूनियर नेशनल चैंपियनशिप में 400 मीटर मिडले में कर्नाटक के शोयान गांगुली को हराया।

■ 20 अक्तूबर को स्टार क्यू खिलाड़ी पंकज आडवाणी ने अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए 121 अंक के एक ब्रेक के साथ जीएससी विश्व स्नूकर क्वालिफायर में अपनी लगातार चौथी जीत दर्ज की। आडवाणी ने धीमी शुरुआत की जिससे उनके प्रतिद्वंद्वी धवज हरिया ने 2-0 से बढ़त हासिल कर ली।

■ टी-20 वर्ल्डकप के सुपर-12 राउंड मुकाबले में पाकिस्तान ने भारत को हरा दिया। दोनों देशों के क्रिकेट इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब वर्ल्डकप में पाकिस्तान की टीम ने भारत को हराया हो। टी-20 इंटरनेशनल में विकेटों के आधार से पाकिस्तान की ये सबसे बड़ी जीत है।

नियुक्ति

■ 22 अक्तूबर को भारतीय मूल की अमेरिकी नीरा टंडन को राष्ट्रपति जो बाइडेन का स्टाफ सचिव नियुक्त किया गया है। नीरा टंडन इस पद पर आसीन होने वाली पहली भारतीय-अमेरिकी होंगी। इससे पहले मई माह में नीरा को जो बाइडेन का वरिष्ठ सलाहकार नियुक्त किया गया था। अब नीरा के पास राष्ट्रपति बाइडेन के सभी दस्तावेजों का नियंत्रण रहेगा।

निधन

■ 23 अक्तूबर को हिंदी फिल्म जगत की दिग्गज अदाकारा मीनू मुमताज का 79 वर्ष की उम्र में कनाडा में निधन हो गया। मीनू मुमताज बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार और कॉमेडियन महमूद की बहन थीं। 26 अप्रैल 1942 में मीनू का जन्म हुआ था। उन्होंने बचपन से ही डांस की ट्रेनिंग ली थी। मीनू ने बॉलीवुड में फिल्म 'घर घर में दीवाली' से डेब्यू किया था।

■ कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री के जाने- माने अभिनेता शंकर राव का बेंगलुरु में निधन हो गया है। अभिनेता ने 84 साल की उम्र में अंतिम सांस ली। तुमकुरु के रहने वाले शंकर राव ने बेंगलुरु में एक थिएटर कलाकार के रूप में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने कलाक्षेत्र नामक अपने खुद के एक थिएटर की स्थापना भी की थी, जिसे शुरू में उनके मासिक तनख्वाह से वित्तीय सहायता दी जाती थी।

-सौरभ सिंह

रक्षा और विज्ञान

■ चीन ने अंतरिक्ष मलबे को कम करने वाली प्रौद्योगिकियों का परीक्षण और सत्यापन करने के लिए 24 अक्तूबर को एक नया उपग्रह सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया। इसे दक्षिण पश्चिम चीन के सिचुआन प्रांत के शीचांग उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से प्रक्षेपित किया गया। शिजियान-21 नाम के इस उपग्रह को लॉन्ग मार्च-3बी वाहक रॉकेट की मदद से सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया गया।

■ 22 अक्तूबर को अमेरिका ने आधुनिक ब्रह्मास्त्र कहे जाने वाले हाइपरसोनिक मिसाइलों का सफल परीक्षण किया है। अमेरिकी नौसेना ने बताया कि इस नई मिसाइल का परीक्षण नासा के वर्जीनिया स्थित वल्लोप्स केंद्र में किया गया है। हाइपरसोनिक मिसाइल अन्य मिसाइलों की तरह से होती हैं लेकिन वे ध्वनि की 5 गुना ज्यादा रफ्तार से उड़ान भरने में सक्षम हैं। यही नहीं, हाइपरसोनिक मिसाइलें हवा में ही तेजी से अपना रास्ता बदलने में सक्षम हैं और वायुमंडल में ये मिसाइलें बहुत नीचे से उड़ान भरती हैं जिससे उन्हें डिटेक्ट करना आसान नहीं होता है।

■ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 20 अक्तूबर, 2021 को नई दिल्ली मेंमिलिट्री इंजीनियर सर्विसेज (एमईएस) के लिए वेब आधारित परियोजना निगरानी पोर्टल (डब्ल्यूबीपीएमपी) लॉन्च किया। इसे बीआईएसएजी-जी द्वारा विकसित किया गया है।

WEEKLYDAIRY

23 अक्तूबर

बिहार के राज्यपाल फागू चौहान ने बापू सभागार, पटना में इंडिया स्किल्स 2021 रीजनल कॉम्पिटीशन-ईस्ट के विजेताओं को सम्मानित किया और प्रत्येक को एक स्वर्ण पदक के साथ 21,000 रुपये का नकद पुरस्कार सौंपा। पहले उपविजेताओं को 11,000 रुपये और एक रजत पदक दिया गया।

24अक्तूबर

अब उत्तर प्रदेश में स्थित फैजाबाद रेलवे स्टेशन का नाम अयोध्या कैंट कर दिया गया है। भाजपा के सांसद लल्लू सिंह के प्रस्ताव को रेलवे बोर्ड ने मंजूरी दे दी है। उन्होंने बताया कि फैजाबाद स्टेशन का नाम अयोध्या कैंट होगा। अयोध्या, अयोध्या कैंट और रामघाट स्टेशनों को विकसित भी किया जाएगा।

25 अक्तूबर

उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने नई दिल्ली में विशेष समारोह में 67वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रदान किये। प्रख्यात अभिनेता सुपर स्टार रजनीकांत को भारतीय सिनेमा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

अमर ज्ञान वर्ग पहेली-0582

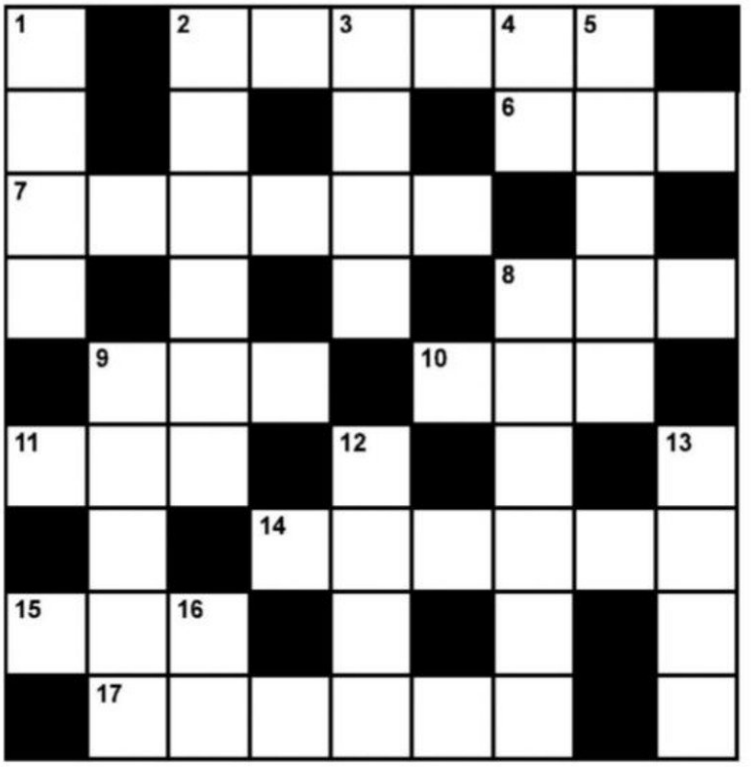

बाएं से दाएं: 10/42

2. 2020 के टोक्यो ओलंपिक में भाग लेने वाली भारतीय महिला हाकी टीम की कप्तान (2,4)
6. जिसकी बरौनी सुंदर हो; रोमश; चिकना; मुलायम (3)
7. बहमनी राज्य के दक्षिण में कृष्णा नदी से कुमारी अंतरीप तक फैला हुआ हरिहर और बुक्का राय द्वारा स्थापित राज्य (6)
8. रामगंगा नदी के तट पर स्थित उत्तर प्रदेश का एक नगर जो कभी रोहिल्लों की राजधानी भी रहा (3)
9. कहते हैं कि मनुष्य को अपने दुष्कर्मो का फल 'इसी लोक' में मिलता है (3)
10. भारतीय सेना में भर्ती नेपाली सैनिक; नेपाल का एक क्षेत्र व उस क्षेत्र के निवासी (3)
11. 1969 में हैमर थ्रो का राष्ट्रीय रिकार्ड बनाने वाला खिलाड़ी '.... कुमार'; कुशल; दक्ष; निपुण; होशियार (3)
14. रूस व 15 अन्य देशों का बना साम्यवादी संगठन जो अब इतिहास की बात हो चुका है (4,2)
15. 1997 में आई सनी देयोल, मीनाक्षी शेषाद्रि, अमरीश पुरी, डैनी डेन्जोंगपा की फिल्म; हिंसक; घात करने वाला; जान लेवा (3)
17. गुप्त रखना; प्रकट न करना; स्मरण रखना (2,1,3)

ऊपर से नीचे: 10/42

1. अणु संबंधी; अणु का (4)
2. किसी संस्था को सरकारी अधिकार में लिया जाना (6)
3. 6 जून 1674 को महाराष्ट्र को इस ऐतिहासिक किले में शिवाजी का राज्याभिषेक हुआ था (4)
4. '... और पुण्य' जिसमें शशि कपूर के साथ शर्मिला, अजीत भी थे; अपराध; पातक; अ□ुभ कार्य (2)
5. वनवास के दौरान लक्ष्मण द्वारा खींची गई रेखा; ऐसी सीमा जिसे लांघा न किया जा सके; मर्यादा रेखा (3,2)
8. अधिकता होना; उन्नति होना; लाभ होना; वृद्धि होना; कृपा होना (4,2)
9. ताजा; हाल ही का (5)
12. बासु भट्टाचार्य निर्देशित राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर अभिनीत एक फिल्म; अन्वेषण; ईजाद; प्रकल्पना; वैज्ञानिक खोज (4)
13. रावण का पुत्र इंद्रजित जो लक्ष्मण के हाथ से मारा गया था; मेघ का गर्जन; बिलाव; मयूर (4)
16. कण; कतरा; छोटा टुकड़ा; जर्रा; दाना; बूंद (2)

- हरीश चन्द्र सन्सी
प्रस्तुति: विविधा विधा, दिल्ली

ANSWER

अमर ज्ञान वर्ग पहेली 0581

	1बा	2ग	प	3त		4म	थु	5रा
6ह		या		7ता	व	री		म
8र	ह	गु	ज	र		ना		च
दी		ज		ना			9गि	रि
प		10रा	वी		11बिं	12ब		त
13सिं	ध			14ब		हु		मा
ह		15लो		16हं	र्ध	व	र्द्ध	न
पु		17ड	का	र		च		स
18रो	ड	र		19न	वी	न	ता	

रोचक शब्द पहेली को हल करना किसी मनोरंजन से कम नहीं है। तो आप भी कीजिए अपना बुद्धि परीक्षण...

ENGLISH GYAN

PERFECT YOUR ENGLISH

PHRASAL VERBS

1. *To reason something out - to think very deeply about something to understand it* (किसी चीज को समझने के लिए गहराई से सोचना)

The psychologists have been reasoning out the fast decline in the reading habit of students across the country.

2. *To draw back – to stop doing something which makes you feel afraid* (ऐसे किसी कार्य को करने से पीछे हटना जिससे भय लगता हो)

The central government has finally decided to draw back from bringing about radical changes in the public distribution system.

3. *To go in for something - to take an examination* (परीक्षा देना)

She earnestly wanted to be an IAS officer and so she went in for the UPSC's Civil Services Examinations.

4. *To bulk out something - to increase the size of something by adding something to it* (किसी चीज में कुछ मिलाकर बड़ा बनाना)

The editor of the magazine suggested me to add a few paragraphs to the story for bulking it out.

श्रीप्रकाश शर्मा,
प्राचार्य, जवाहर नवोदय विद्यालय, बिहार

क्या आप जानते हैं ?

गणित अनिश्चितता को भी परिभाषित करता रहा है। यह सच है कि यूनान और मिस्र को कई अद्भुत गणितीय जानकारी दी, जिससे आज गणित समाज लाभान्वित हो रहा है। पर, इस आधार पर हम भारतीय गणितज्ञों द्वारा प्राचीन समय में दी जाने वाली जानकारी जिसे किन्ही कारणों से प्रसारित होने का मौका नहीं मिला, को हम ना जानें। गणित में प्राचीन समय में जो भी खोज हुई, वह सिर्फ अपनी जरूरतों को केन्द्रित करके किया गया था। खेत को नापने के लिए क्षेत्रमिति , चांद, तारों और ग्रहों के बारे में जानकारी के लिए खगोल शास्त्र, यज्ञ की वेदी की संरचना के लिए आरंभिक ज्यामिति की मजबूती से करता आया है।

संख्याज्ञः परिमाणज्ञः समसूत्रनिरञ्छकः ।
समसूत्रौ भवेद्विद्वान् शुल्बवित् परिपृच्छकः ।।
शास्त्रबुद्धिविभागज्ञः परशास्त्रकुतूहलः ।
शिल्पिभ्यः स्थपतिभ्यश्चाप्याददीत मतीःसदा ।।
तिर्यगान्याश्च सर्वार्थिः पाश्र्वमान्याश्च योगवित
।करणीनां विभागज्ञः नित्योद्युक्तश्च सर्वदा ।।

एक शुल्व्कार अर्थात वह व्यक्ति जो शुल्व सूत्र को जानता है, को अंकगणित और क्षेत्रमिति में पारंगत होना चाहिए, उसे खोजी प्रवृति का तथा अपने विषय पर मजबूत पकड़ होनी चाहिए। साथ ही उसे अन्य विषयों को सीखने के लिए हमेशा लालायित होना चाहिए। वास्तुकला, शिल्पकला में भी जानकारी तथा उद्यमी होना भी उतना ही आवश्यक है।

शुल्व सूत्र में ज्यामिति रचना के कई आयाम देखने को मिलते हैं। साथ ही यज्ञ के कई रूपों के लिए अलग-अलग यज्ञ कुंड की रचना का विधान भी मौजूद है।

इसके अलावा भी अनेक तरह के यज्ञ कुंड की रचना ज्यामिति के आकार की होती थी जिसमें माप की सत्यता और सटीकता आवश्यक थी। प्रो. राधाचरण गुप्त जी के अनुसार – वर्ग के आकार का कुंड सर्व सुख के लिए, योनी कुंड–पुत्र प्राप्ति के लिए , अर्धवृत–सर्वमंगल के लिए, समबाहु त्रिभुज - शत्रुओं के विनाश के लिए, कमल के फूल का यज्ञ कुंड धन-धान्य और वर्षा के लिए तथा अष्टभुज के आकार का कुंड बीमारी से बचने के लिए किया जाता था।

इतिहासकार ए. के. बेग के अनुसार - विभिन्न आकृतियों जैसे वर्ग, वृत्त, अर्ध-वृत्त, समद्विबाहु, समबाहु त्रिभुज, समचतुर्भुज,

$$\sqrt{2} \approx 1+\frac{1}{3}+\frac{1}{3\cdot 4}-\frac{1}{3\cdot 4\cdot 34}=\frac{577}{408} \approx 1.414216.$$

समलम्ब चतुर्भुज, बाज या कछुआ आकार और अन्य आकार पर खींची गई वेदियों के निर्माण से विभिन्न ज्यामितीय आकृतियों का विकास हुआ, जिनमें जैसे अपरिमेय संख्याओं का विस्तारित रूप भी प्रयोग में लाने की पुष्टि होती है और यह पाइथागोरस संबंध पाइथागोरस के जन्म से सैकड़ों वर्ष पूर्व लोगों को पता था।

समस्य द्विकरणी। प्रमाणं तृतीयेन वर्धयेत,
तच्चतुर्थेनात्म चतुस्त्रिंशोनेन सविशेषतः।

मजेदार बात यह भी है कि उन्होंने न केवल द्विकर्णी ($\sqrt{2}$), द्वितियाकरणी ($1/\sqrt{2}$), त्रि -करणी ($\sqrt{3}$), तृतीय-करणी ($1/\sqrt{3}$), पंचकर्णी ($\sqrt{5}$) और पंचमा करणी ($1/\sqrt{5}$) जैसे तकनीकी शब्दों का विकास किया था।

पाइथागोरस प्रमेय की बात करें तो बौधायन (1.12) के अनुसार भुजा- कोटि- कर्ण न्याय का विवरण कुछ इस प्रकार श्लोक में मिलता है।

दीर्घचतुरश्रस्य अक्ष्णयारज्जु पार्श्वमानी तिर्यगमानी
च यत् पृथग्भूते कुरूतः तदुभयं करोति ।

बौधायन शुल्व सूत्र के अलावा कात्यायन शुल्व सूत्र में भी इस प्रमेय की झलक मिलती है। अगर बात करें मानव शुल्व-सूत्र की तो निश्चित रूप से आधुनिक पाइथागोरस प्रमेय के रूप इसी पुस्तक में दिखता है।

आयामं आयामगुणं विस्तारं विस्तारेण तु ।
समस्य वर्गमूलं यत् तत् कर्णं तद्विदो विदुः ।।

अर्थात ,

$$\sqrt{\text{आयाम}^2 + \text{विस्तार}^2} = \text{कर्ण}$$

इसके अलावा पाइथागोरस त्रिक की जानकारी भी हमारे ऋषियों को थी जो उस समय के ऋषियों के गणितीय ज्ञान की परिकाष्ठा को दिखाता है।

– डॉ. राजेश कुमार ठाकुर

कुंड का नाम	आकार	यज्ञ की चाह
छंद्श्चतम	चिड़िया के आकार का	जानवरों की अभिलाषा
श्येनचितं	चिड़िया के आकार का	स्वर्ग की अभिलाषा
प्रौगचितं	समद्विबाहु त्रिभुज	शत्रु का विनाश
रथ चक्र चिति	रथ के आकार का	क्षेत्र या राज्य की वृद्धि
द्रोणचिति	द्रोण या नांद के आकार का	खाद्य की बहुतायत

ADMISSION ALERT

एनआरएआई स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन

कोर्स एवं अवधि :
1. पीजी डिप्लोमा इन रेडियो जॉकी एंड टीवी न्यूज रीडिंग (तीन माह)
योग्यताः किसी भी विषय में स्नातक
2. मास्टर इन मास कम्युनिकेशन (एडवांसमेंट, जर्नेलिज्म) (दो वर्ष)
योग्यताः किसी भी विषय में स्नातक
3. बीएमसी (बैचलर ऑफ मास कम्युनिकेशन) (3 वर्ष)
योग्यता : बारहवीं
आवेदन प्रक्रिया : प्रॉस्पेक्टस और आवेदन फॉर्म को 300 रुपये नकद भुगतान कर प्राप्त किया जा सकता है। अथवा डिमांड ड्राफ्ट जो कि दिल्ली स्थित संस्थान के नाम पर देय हो के माध्यम से प्राप्त हो सकता है। इसे वेबसाइट से डाउनलोड भी किया जा सकता है।
आखिरी तारीख : 15 नवंबर, 2021
पताः एनआरएआई स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन
एम-161/1ए, जी.एल. हाउस, गौतम नगर, ऑयल भवन के पीछे(निरुलाज के पीछे)
नई दिल्ली-110049,
फोन. 09899045628
website.nraismc.com

SCHOLARSHIP ALERT

एसटीएफसी इंडिया मेरिटोरियस स्कॉलरशिप प्रोग्राम-2021

विवरण : श्रीराम ट्रांसपोर्ट फाइनांस कंपनी(एसटीएफसी) लिमिटेड द्वारा देश के आर्थिक रूप से कमज़ोर कमर्शियल ट्रांसपोर्ट ड्राइवर्स के परिवारों के मेधावी विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप प्रदान की जा रही है। 10वीं व 12वीं कक्षा के बाद प्रोफेशनल डिग्री, कोर्स की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को शिक्षा जारी रखने के लिए आर्थिक सहायता देने के उद्देश्य से प्रति वर्ष स्कॉलरशिप प्राप्त करने के उद्देश्य से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

मानदंड : वर्तमान में डिप्लोमा, आईटीआई, पोलिटेनिक कोर्स करने वाले व 10वीं व 12वीं कक्षा में कम से कम 60 फीसदी या इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी जो अभी तीन व चार वर्षीय ग्रेजुएशन, इंजीनियरिंग डिग्री प्रोग्राम के विद्यार्थी हों। विद्यार्थी के अभिभावक कर्मिशयल ट्रांसपोर्ट ड्राइवर्स हों व उनकी पारिवारिक वार्षिक आय 4 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए।

इनाम/लाभ : आईटीआई, पोलिटेक्निक, डिप्लोमा के विद्यार्थियों को 15000 रुपये प्रति वर्ष(अधिकतम एक वर्ष के लिए) व तीन से चार वर्ष तक के ग्रेजुएशन, इंजीनियरिंग डिग्री प्रोग्राम के विद्यार्थियों को 35000 रुपये तक की राशि प्रति वर्ष प्राप्त होगी।

अंतिम तिथिः 15 नवंबर, 2021

आवेदन कैसे करें: विद्यार्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन लिंक : www.b4s.in/au/SIMD4

दिल्ली कॉलेज ऑफ फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग

कोर्स (I) फायर फाइटिंग में सर्टिफिकेट कोर्स (अवधिः 6 माह)

योग्यता: 10वीं पास

कोर्स (II) फायर टैक्नोलॉजी एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट (अवधिः 1 वर्ष)

योग्यता: 12वीं पास

कोर्स (III) ट्रेड डिप्लोमा इन एन्वायरन्मेंट एंड हेल्थ सेफ्टी

योग्यता: 10वीं पास

आवेदन प्रक्रियाः प्रोस्पेक्टस और आवेदन फॉर्म 300 रुपये नकद अथवा संस्थान के नाम पर देय डीडी के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है अथवा संस्थान की वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है।

अंतिम तिथि: 11 नवंबर, 2021

आवेदन का पता:

दिल्ली कॉलेज ऑफ फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग
प्लॉट संख्या- 975 मुंडका, नई दिल्ली-110041
फोन संख्याः 9560952952
वेबसाइटःwww.dcfse.com

एरिक्सन एम्पावरिंग गर्ल स्कॉलरशिप प्रोग्राम 2021

विवरण : एरिक्सन भारत में कहीं से भी इंजीनियरिंग (आईटी / सीएस) या एमबीए प्रोग्राम के दूसरे साल में पढ़ रही मेधावी छात्राओं से एरिक्सन एम्पावरिंग गर्ल स्कॉलरशिप प्रोग्राम के लिए आवेदन आमंत्रित करता है। यह स्कॉलरशिप समाज के वंचित वर्गों से आने वाली मेधावी छात्राओं की शिक्षा में आर्थिक मदद करने के लिए है।

मानदंड : आवेदकों को वर्तमान में भारत के प्रतिष्ठित कॉलेजों में इंजीनियरिंग (आईटी / सीएस) या एमबीए प्रोग्राम के दूसरे साल में पढ़ रहे होना चाहिए। आवेदकों को पिछली परीक्षा में कम से कम 6.5 जीपीए या इसके बराबर अंक मिले होने चाहिए। सभी स्रोतों से आवेदक की सालाना पारिवारिक आय रू 6,00,000 से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।

इनाम/लाभः 75,000 प्रति वर्ष

अंतिम तिथि : 30 नवंबर, 2021

आवेदन कैसे करें : इसके लिए ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

आवेदन लिंक : www.b4s.in/au/EEGS2

आईआईटी रुड़की पोस्ट डॉक्टरल फेलोशिप (पीडीएफ)-2021

विवरणः आईआईटी रुड़की केमिस्ट्री डिपार्टमेंट पोस्ट डॉक्टरल फेलोशिप (पीडीएफ) 2021 पीएचडी डिग्री धारकों के लिए एक रिसर्च अपॉर्चुनिटी है। चुने हुए फेलो को एक प्रोजेक्ट पर काम करना होगा, जिसका टाइटल है- "केमिकल प्रोटियोमिक एप्रोच टू आइडेंटिफाई एसएनरैल मॉलिक्यूल कोवेलेंट इन्हिबिटर टू टार्गेट प्रोटीन- प्रोटीन इंट्रेक्शन इन बीसीआई-2 प्रोटियर्स".

मानदंड : फेलोशिप उन उम्मीदवारों के लिए है जो केमिस्ट्री (केमिकल बायोलॉजी) / बायोटेक्नोलॉजी / बायोकेमिस्ट्री में पीएचडी डिग्री रखते हैं और जिन्होंने हाल ही में अपनी थीसिस जमा की है।

इनाम/लाभ : 60,000 रुपये प्रति माह

अंतिम तिथि : 06 नवंबर, 2021

आवेदन कैसे करें : ऑनलाइन और डाक द्वारा – हेड डिपार्टमेंट ऑफ केमिस्ट्री, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी रुड़की रुड़की- 247667 उत्तराखंड, भारत

आवेदन लिंक : www.b4s.in/au/RPF2